

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—चण्ड 3—उप-खण्ड (li) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

तं० 509] नई विल्ली, सोसवार, नवम्बर 8, 1982/ कार्तिक 17, 1904 No. 509] NEW DELHI, MONDAY, NOV. 8, 1982/KARTIKA 17, 1904

इस भाग में भिन्म पृष्ठ संबंधा की जाती है जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि, न्याय भौर कम्पनी कार्य संज्ञालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 नवम्बर, 1982

कां आ 0 786 (अ), — केन्द्रीय सरकार, कम्पनी (केन्द्रीय सरकार की) साधारण नियम भीर प्रकप, 1956 के नियम 5क के उपनियम (1) द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए विदेश में भारतीय मिणनीं/राजदूतावासों में कौसतर प्रधिकारी को, कपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 108 की उपधारा (1क) के खब (क) के प्रयोजनी के लिए विहित प्रधिकारी के रूप में नियुवत करती है।

[फा० सं० 5/5/82-सी एल बी] पी० के० मलिक, संयुक्त मिक्क

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 1982

S. O. 786 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 5A of the Companies (Contral Government's) General Rules and Forms, 1956, the Contral Government hereby appoints the Consular Officer in the Indian Missions Embassics abroad as prescribed authority for the purposes of clause (a) of sub-section (1A) of section 108 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

[File No. 5/5/82-C. L. V.] P. K. MALLIK, Jt. Secy.